An Initiative of CollComm

collcom
Empowering Youth through Community Service

Registration Number-1710, Under Indian Trust Act 1882) Certified Under 12A and 80G of Income Tax Act 1961

Vol 3, Issue Feb 2023

CYBER संस्कार

साइबर अपराध के खिलाफ एक कदम

Unordered Parcel/Fake Delivery Scam!

विषय-सूची

Fake Parcel/Delivery Scam!

- परिचय
- पार्सल फ्रॉड के विभिन्न तरीके
- निःशुल्क साइबर प्रशिक्षण
- बचने के उपाय और सत्यता की जांच के तरीके
- फ्रॉड होने पर शिकायत कहाँ करे।

FAKE PARCEL SCAM! से लाखो की ठगी

Hindi News / Technology / Tech News

Fake Delivery Scam: सावधान! कहीं शेयर तो नहीं कर दिया OTP, बैंक अकाउंट हो जाएगा निल

ANKITA PANDEY
Publish Date: Wed, 28 Dec 2022 03:26 PM (IST)
Updated Date: Wed, 28 Dec 2022 03:27 PM (IST)

HT TECH

Home › Tech › News › Got a package from Flipkart? Avoid shock, Do NOT share OTP till you do THIS

Got a package from Flipkart? Avoid shock, Do NOT share OTP till you do THIS

If you are expecting a package from Flipkart and don't want to get shocked, do not share the OTP before you do this.

The Telegraph

News Sport Business Opinion Ukraine Money Life Style Travel Culture Puzzles

See all Money

Homeowners sent free Amazon parcels in 'brushing' scams

Bizarre scam run by Chinese sellers on the website allows them to inflate their sales and ratings

NBT नवभारत टाइम्स

Hindi News / India / Pay On Delivery Fraud Never Share

सावधान! बिना ऑर्डर किए कूरियर लाता है डिलिवरी बॉय, OTP वाले इस जाल में फंस न जाना

Curated by दीपक वर्मा | नवभारतटाइम्स.कॉम | Updated: 21

cnn.com

CNN BUSINESS

Got a package you didn't order? It could be a scam

Story by Nathaniel Meyersohn and Zach Wasser, CNN Business
Video by Zach Wasser, CNN Business

Updated 8:49 AM EST, Mon January 25, 2021

dailymail.co.uk

Daily Mail

Mystery packages arriving at people's homes are signs of a new 'brushing' scam using personal address details sourced from data hacks

By Max Aldred For Daily Mail Australia
07:04 29 Oct 2022, updated 07:04 29 Oct 2022

SPECIAL REPORT

Fake Parcel/Delivery Scam!

भारत में, पिछले 5 साल के दौरान ई-कॉमर्स को लेकर शिकायतें 2 गुना से ज्यादा बढ़ी हैं।

साइबर अपराधों में वृद्धि के साथ, ग्राहक डेटा के बारे में अधिक जागरूक और सतर्क हो गए हैं।

ग्राहकों को अधिक सुरक्षित डिलीवरी प्रदान करने के लिए फ्लिपकार्ट और अमेज़न जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने वन टाइम पासवर्ड (डिलीवरी) प्रक्रिया शुरू की है। हालांकि, जालसाज इस सुरक्षा को तोड़ने और ग्राहकों के बैंक/खातों से पैसे चुराने के लिए नए नए तरीके निकाल रहे है, उन्ही तरीको में से आजकल प्रचलित फर्जी पार्सल घोटाला ।

फेक पार्सल स्कैम क्या है?

फेक पार्सल स्कैम (फर्जी पार्सल घोटाले) या कैश-ऑन-डिलीवरी घोटाले में, स्कैमर्स डिलीवरी पर्सन के रूप में आते है और आपके स्मार्टफोन पर एक लिंक खोलने के लिए, या आपको प्राप्त होने वाले ओटीपी को साझा करने के लिए कहते है, जिससे वो आपके फोन का क्लोन करके या आपके बैंक खातों तक पहुँच बनाकर आपके साथ ठगी करते है।

SPECIAL REPORT

फर्जी पार्सल घोटाले के तरीके

इस घोटाले के मुख्यत: 2 तरीके सामने आए है ।

पहला तरीका

एक डिलीवरी ब्वॉय का फोन आता हैं की वो आपका एक पार्सल लेके आया हैं।

आप उससे मिलने जाते हो और वो आपको पार्सल देता हैं और बताता हैं की ये एक कैश ऑन डिलीवरी ऑर्डर हैं,

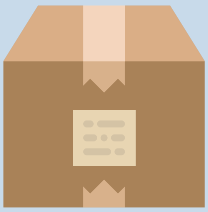

पार्सल पर आपका नाम, पता और नंबर लिखा होता हैं।

Pritesh Mishra

फर्जी पार्सल घोटाले के तरीके

आपको ऐसा लगता हैं की **मैंने ही कुछ मंगाया** होगा या आपके **किसी दोस्त या रिश्तेदार** ने आपके लिए कुछ आर्डर किया होगा, लेकिन उस समय आपको कुछ याद नहीं आ रहा होता,

पार्सल बॉय आपको **जल्दी करने** को कहता है और आप बिना सोचे समझे जितना भी पैसा होता हैं उसे **पेमेंट करके पार्सल ले लेते** हैं और पार्सल बॉय चला जाता हैं।

फिर बाद में जब आप पार्सल खोलते हैं तो उसमे से निकलता हैं **चूड़ी, साबुन, खिलोने अथवा सस्ते समान** इत्यादि।

फिर आपको समझ आता हैं की आप ठगी के शिकार हो गए हैं।

फर्जी पार्सल घोटाले के तरीके

दूसरा तरीका

दूसरे तरीके में आप पूरी तरीके से जानते रहते हैं की मैने ऐसा कोई सामान ऑर्डर नहीं किया हैं।

अब आप उस पार्सल को लेने से मना कर देते हैं ।

जैसे ही आप मना करते हैं तो डिलीवरी ब्वॉय आपसे कहता हैं की ठीक हैं ऑर्डर को कैंसल करने के लिए आपके फोन पर अभी एक ओटीपी आएगा, बता दीजिए।

आप इसका पीछा छुड़ाने के लिए मोबाइल पर आया ओटीपी उसे दे देते हैं ।

Pritesh Mishra

SPECIAL REPORT

फर्जी पार्सल घोटाले के तरीके

कुछ देर बाद आपके अकाउंट से अचानक पैसे कट जाते हैं और आप पार्सल स्कैम ठगी के शिकार हो जाते हैं ।

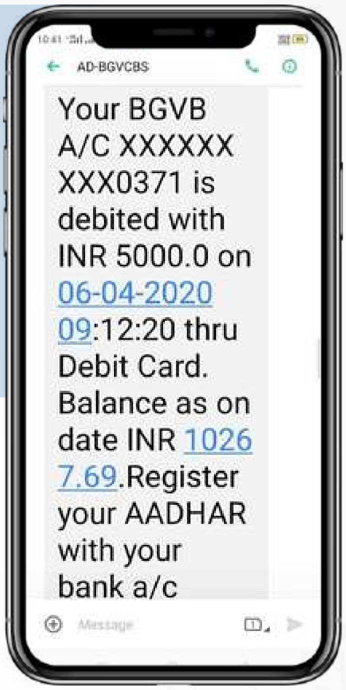

बस थोड़ी सी सावधानी रखकर आप इन सभी अपराधो से बच सकते।

बचने के उपाय

- ऑनलाइन खरीदारी के लिए केवल प्रमाणित वेबसाइटों का उपयोग करें।

उदाहरण के लिए amazon Flipkart Myntra JABONG SHOPCLUES snapdeal

- ओटीपी आपके फोन पर आए तो सेंडर एड्रेस को ध्यान से देखे, कही ये बैंक से ट्रांजेक्शन के लिए तो नहीं आई हैं, अगर हां तो तुरंत सावधान हो जाएं।

- आपने क्या क्या सामान ऑर्डर किया हैं इसका ध्यान रखे, और उनकी डिलीवरी की तारीख को भी फिजिकल रूप में कही नोट करके रखे।

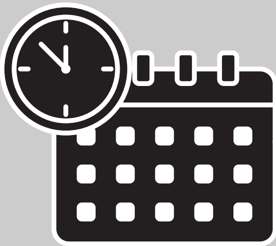

- डिलीवरी के दौरान उत्पादों को उनके पैकेज से जरूर निकाल कर पार्सल बॉय के सामने चेक करे।

SPECIAL REPORT

बचने के उपाय

- आर्डर कैंसिल करने के लिए कभी भी OTP नहीं पुछा जाता हैं अगर कोई OTP मांगता हैं तो सावधान हो जाये। हमेशा ऑर्डर वेबसाइट या ऐप से कैंसल करे।

- इन सभी कामों के लिए अपना बैंक अकाउंट से संबंधित मोबाइल नंबर का उपयोग न करें, एक अलग मोबाइल नंबर रखे और उसी को इस्तेमाल करें।

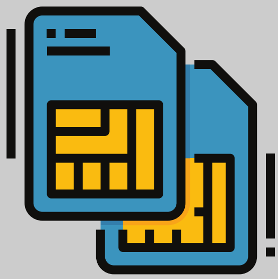

- किसी भी दशा में फ्रॉड होने पर साइबर क्राइम की वेबसाइट www.cybecrime.gov.in पर जाकर रिपोर्ट दर्ज कराये ।

- या जल्द से जल्द साइबर क्राइम हेल्पलाइन न. 1930 पर संपर्क करके रिपोर्ट दर्ज कराये ।

SPECIAL REPORT

बचने के उपाय

यदि कोई भी ऑनलाइन संदेहजनक चीज़े आपको दिखाई दे और समझ न आए की ये गलत है या सही तो आप कॉलकम से संपर्क कर उसकी जानकारी ले सकते है।

आपको यहाँ से अपने शंकाओं का समाधान मिल सकता है और साथ ही आप हमारे साथ मिलकर लोगो को सशक्त और जागरूक बनाने के लिए भी वालंटियर या इंटर्न बनकर काम कर सकते है ।

Join us a **Volunteer** or **Intern**,
Type **Join** and send it on **WhatsApp**

+91-9868189955

नि:शुल्क साइबर प्रशिक्षण

collcom
Empowering Youth through Community Service
Cyber Crime Awareness Training Mega Campaign
साइबर अपराध जागरूकता प्रशिक्षण महा-अभियान
(प्रोजेक्ट साइबर संस्कार)
#CyberSanskar #CollCom #CyberSafeWorld
Section 1 of 7
Cyber Crime Awareness Training Mega Campaign

- आजकल इसी प्रकार से अनेकों साइबर अपराध तेजी से प्रसारित हो रहे, जिसे देखते हुए हमने आपके लिए बिल्कुल फ्री में साइबर प्रशिक्षण महा-अभियान चलाया है जिसमे आप ऐसे साइबर अपराध से बचने के तरीको के बारे में सीख पाएंगे।

- साथ ही एक आकर्षक सर्टिफिकेट भी प्राप्त होगा।

यदि आपने अभी तक इस प्रशिक्षण में भाग नही लिया तो एक बार अवश्य ले।

- हिंदी में साइबर प्रशिक्षण- https://forms.gle/AJajaozGwTjLPExC7
- Cyber Training in English- https://forms.gle/8LyAQPWPucn8LHir8

फ्रॉड होने की स्थिति में

यदि आप इस तरह के फ्रॉड के शिकार हो जाते है तो तुरंत ही आप सभी chat, भेजे गए डॉक्यूमेंट, और भेजे गए पैसों के स्क्रीन शॉट के साथ www.cybercrime.gov.in or 1930 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करे।।

शिकायत दर्ज करने के लिए यहां क्लिक करे और आगे के चरण का अनुसरण कर अपनी शिकायत दर्ज करे।

फ्रॉड होने की स्थिति में

अगर आपको ऑनलाइन शिकायत करने में समस्या आती है तो आप अपने शहर के नजदीकी साइबर सेल में भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है ताकि आपको जल्द से जल्द समाधान मिल सके।

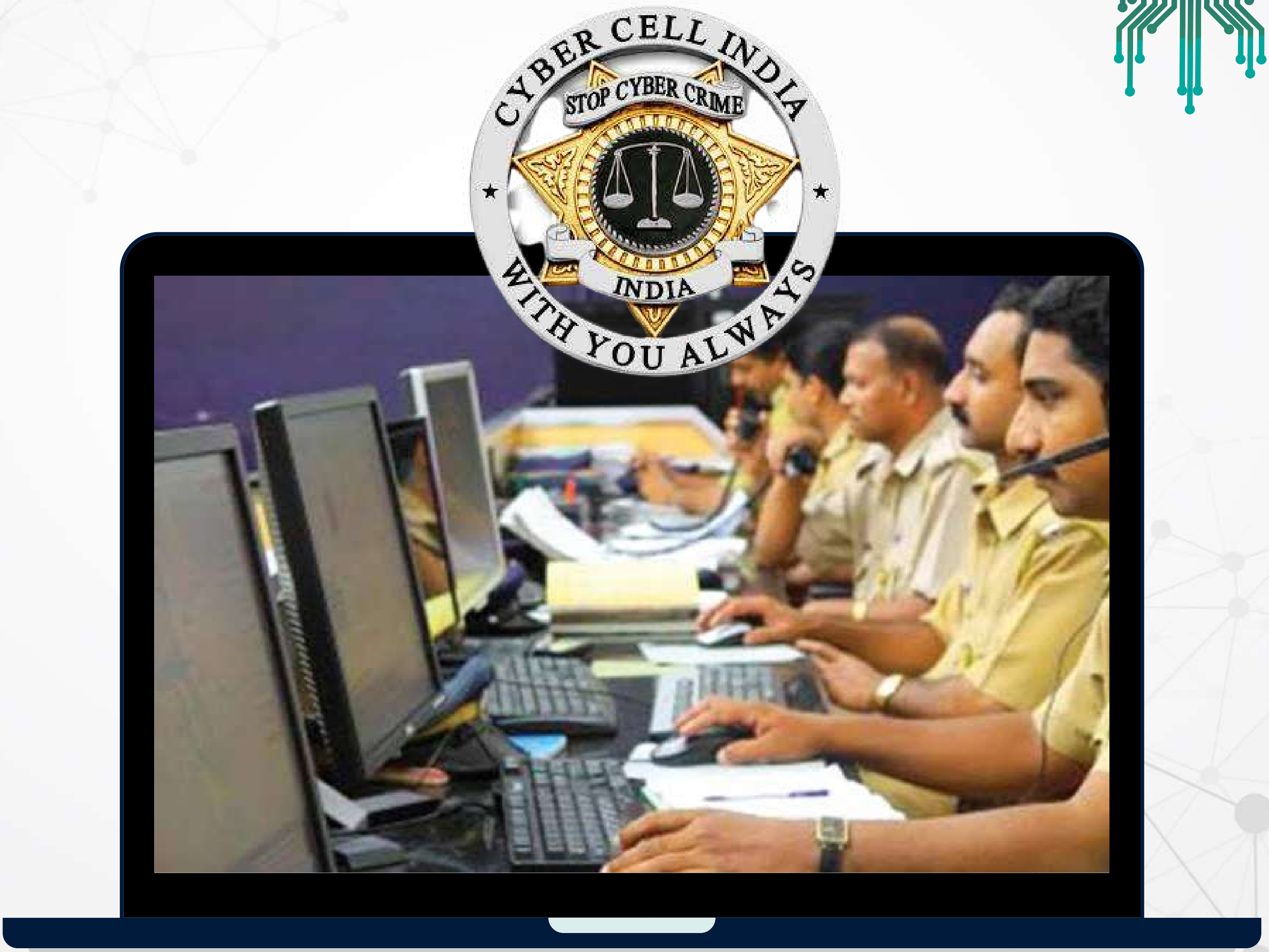

SPECIAL REPORT

फ्रॉड होने की स्थिति में

RBI कहता है..

फ्रॉड होने की स्थिति अपने बैंक को तुरंत सूचित करें। अधिक जानकारी के लिए 14440 पर मिस्ड कॉल दें।

अगर आपके **बैंक खाते से किसी ने धोखे से पैसे** निकाले हैं तो इसकी सूचना तुरंत अपने बैंक को दें। जब आप बैंक को सूचित करते हैं, तो अपने बैंक से **पावती (acknowledgement)** लेना याद रखें।

यदि लेन-देन आपकी लापरवाही के कारण हुआ है, यानी आपके द्वारा अपना पासवर्ड, पिन, ओटीपी आदि साझा करने के कारण, आपको तब तक नुकसान उठाना पड़ेगा जब तक आप अपने बैंक को इसकी सूचना नहीं देते।

यदि आपके द्वारा बैंक को सूचित करने के बाद भी कपटपूर्ण लेन-देन जारी रहता है, तो आपके **बैंक को उन राशियों की प्रतिपूर्ति करनी होगी।**

यदि आप रिपोर्टिंग में देरी करते हैं, तो आपका घाटा बढ़ जाएगा और यह **आरबीआई के दिशानिर्देशों और आपके बैंक के बोर्ड द्वारा** अनुमोदित राशि **नीति के आधार पर तय किया जाएगा।**

बैंक को आपकी शिकायत प्राप्ति की तारीख से **90 दिनों के भीतर सुलझानी** होती है, अगर **समाधान न होने पर या संतोष जनक जवाब न मिलने पर** शिकायतकर्ता बैंक की **शिकायत बैंक के ओम्बड्समैन** को भी कर सकता है। इसकी जानकारी आप यहाँ से (RBI) ले सकते है।
https://rbi.org.in/scripts/FAQView.aspx?Id=24

Empowering Youth through Community Service

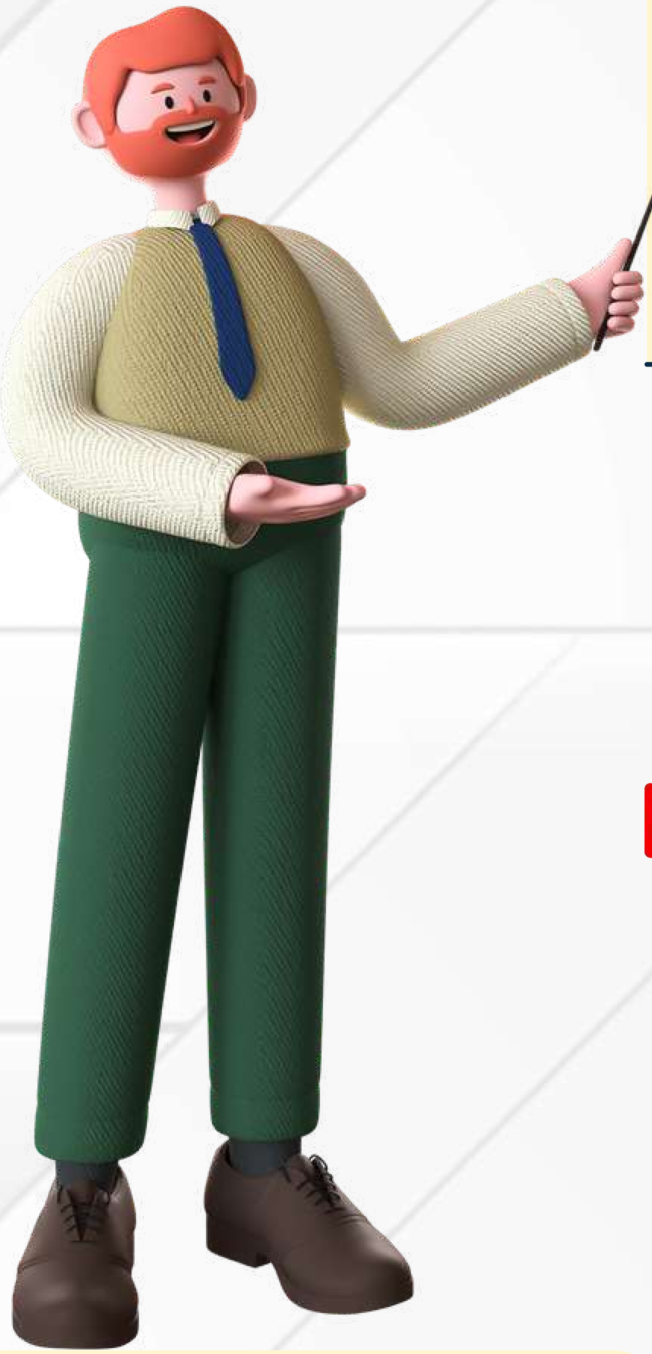

सावधान रहें सुरक्षित रहे!

अपने मित्रों व रिश्तेदारों के साथ ये मैगज़ीन जरूर शेयर करे।

हमसे लगातार साइबर अपडेट्स पाने के लिए इस QR कोड को स्कैन कर, और हमारे आधिकारिक चैनल/ग्रुप को सब्सक्राइब करे।

SUBSCRIBE

WhatsApp

Telegram

Click to Check Out some interesting video on YouTube
https://www.youtube.com/@collcom

For volunteering, Type **Join** and Send it on **WhatsApp +91-9868189955**

संस्थापक के बारे में

DR GAURAV KUMAR

(Founder and Director of CollCom, Asst Prof at Bennett University, Greater Noida)

डॉ गौरव वर्तमान में बेनेट विश्वविद्यालय (टाइम्स ग्रुप), ग्रेटर नॉएडा, उत्तर प्रदेश में कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। वह एक सामाजिक उद्यमी और CollCom (कॉलेज कम्युनिटी सोशल वेंचर) के संस्थापक भी हैं।

डॉ कुमार हमारे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से कंप्यूटर विज्ञान में एम.टेक और पीएचडी पूरी की है। अपनी शिक्षा के दौरान, वह सामाजिक गतिविधियों में काफी सक्रिय थे जैसे स्लम बस्ती में बच्चों को पढ़ाना, Waste मैनेजमेंट, वृक्षारोपण अभियान, रक्त दान, स्वास्थ्य, योग और फिटनेस के लिए सभी को जागरूक करना जैसे विषय पर काफी काम किया है।

उनके इस अथक प्रयास के लिए उन्हें विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक पुरस्कार और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी (बेस्ट वालंटियर अवार्ड) का पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

कोविड के समय में डॉ कुमार शांत नहीं बैठे। उन्होंने प्लाज्मा और ऑक्सीजन सपोर्ट के लिए लोगों की मदद करने का काम शुरू किया। उन्होंने देखा हर व्यक्ति बच्चा से बूढ़ा सभी लोग अपने दैनिक कार्य करने के लिए इंटरनेट पर निर्भर होते जा रहे है। जल्द ही, उन्हें इंटरनेट की दुनिया में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध के बारे में जागरूकता की कमी के महत्व का एहसास हुआ।

उन्होंने साइबर अपराध जागरूकता पर एक मेगा अभियान शुरू किया। उन्होंने विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन) का दौरा करना शुरू किया और साइबर अपराध जागरूकता पर 35 से अधिक कार्यशालाएँ की। उन्होंने एक छोटा और बहुत ही अभिनव ऑनलाइन सेल्फ गाइड साइबर क्राइम अवेयरनेस ट्रेनिंग मॉड्यूल विकसित किया, जिसमें अभी तक 52,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।

उनका लक्ष्य अगले दो वर्षों में हमारे देश के 10 लाख लोगों को इंटरनेट की दुनिया में सशक्त बनाना है।

संपादक के संदेश..

MR. PRITESH MISHRA

(National Coordinator, CollCom)

किसी व्यक्ति के साथ फ्रॉड होने का अर्थ ये कदापि नही है की वो शिक्षित नही है, केवल सीधा सा अर्थ है वो उस बात से अनभिज्ञ / जागरूक नही था। अत फ्रॉड होने के स्थिति में आप सबसे पहले जरा भी न घबराए, परिवार वाले डाटेंगे या मित्र क्या कहेंगे ? ये कदापि न सोचे या कोई भी गलत फैसला न ले, समय रहते यदि आप शिकायत दर्ज करवा देते है तो आपके पैसे मिलने के अवसर बढ़ जाते है।

अब तो RBI के दिशा निर्देश के अनुसार आप फ्रॉड होने के तुरंत बाद यदि अपने संबंधित बैंक में शिकायत दर्ज कराते है तो वो आपको 90 दिन के भीतर ही आपकी समस्या सुलझा देते है। परंतु आप को यहां तक पहुंचने की आवश्यकता ही क्या है बस थोड़ी सी सावधानी के साथ आप अपने और अपने से संबंधित लोगो को साइबर अपराध से बचा सकते है।

एक फ्रॉडस्टर आपसे OTP और pin को निकलवाने के विभिन्न तरीके अपनाता है, आप देखेंगे कि अंततोगत्वा वो आपसे पैसे की मांग करते है, चाहे वो रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में हो या कंपनी से जुड़ने के आईडी कार्ड बनानी हो, बस आपको यही समझना है की किसी भी नौकरी से जुड़ने के लिए आपको किसी भी प्रकार से पैसे देने की आवश्यकता नही होती है।

समय समय पर आपको साइबर से संबंधित जानकारी हम अपने ऑफिशियल वेबसाइट/सोशल मीडिया/यूट्यूब वीडियो के माध्यम से साझा करते रहेगें।

जागरूक रहे सुरक्षित रहे!

सलाहकार सदस्य

Dr Anil Kumar Singh
(Asst. Professor, SLL&CS, Jawaharlal Nehru University)

Shri Anshumali Sharma
(State Liason Officer (SLO) Nataional Service Scheme, Uttar Pradesh)

Dr. Sanjeev Sharma
(Associate Professor, Dr Ambedkar International Centre, New Delhi)

Shri Gautam Kumar
(Executive Engineer, WRD, Govt of Bihar)

Shri Amrish Kumar Niranjan
(Youth Assistant, NSS, Delhi)

Shri Sintoo Kumar
(TGT Teacher, Govt of Delhi)

Shri Satya Kumar
(CEO and Director, Jetex Private Limited)

Shri Ranjan Kumar
(Senior Product Manager, Microsoft)

कार्यकारी सदस्य

Dr Gaurav Kumar
(Founder and Director, CollCom)

Mr Priteesh Kumar
(Asst. Director, CollCom)

Mr Pritesh Mishra
(National Coordinator, CollCom)

Mr Sumit Kumar
(State Coordinator, CollCom)

Ms Shweta Kumari
(Social Media Head, CollCom)

प्रशिक्षु जिन्होंने इस मैगजीन में अपना योगदान दिया है।

Mohammed Nafeesha Bhanu
(Graphics designer Intern, CollCom)

Ms Usha Rani Panigrahi
(Graphics designer Intern, CollCom)

Mr Kishan Sisodiya
(Content Writer Intern, CollCom)